वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 80 | मंगलवार 18 जुलाई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

स्पेशली एबल्ड बच्चों ने दी मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

जवाहर कला केन्द्र में नौनिहाल सीरीज के तहत नृत्य और योग मुद्राओं को पेश कर बटोरी तालियां

जयपुर. कासं

जवाहर कला केन्द्र एवं प्रयास इंस्टीट्यूट के संयुक्त तत्वावधान में नौनिहाल के तहत सोमवार को स्पेशली एबल्ड बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुति का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों ने नृत्य व योग मुद्राओं की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना के साथ हुई। इसके बाद इंस्टीट्यूट में पढ़ने वाले उन बच्चों को सम्मानित किया गया जो पढ़ाई में अव्वल रहे हैं, शिक्षकों को भी उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रयास के 27 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रम में स्पेशली एबल्ड बच्चों ने राजस्थानी व फिल्मी गीतों पर नृत्य प्रस्तुति दी। बच्चों ने मंच पर विभिन्न योग मुद्राओं को साकार किया। व्यावसायिक प्रशिक्षण और मुख्य स्ट्रीमिंग पहल के तहत वंचित वर्ग से आने वाले बच्चों द्वारा तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गयी। इस दौरान पद्मश्री हुसैन बंधु, बच्चों के परिजन व अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। प्रयास के सचिव देवेश कुमार बंसल, वरिष्ठ अधिवक्ता सुप्रीम कोर्ट व उपाध्यक्ष डी. डी. गोयल ने बच्चों की हौंसला अफजाई की।

कॉलेज की छात्राओं से ग्राम प्रतिनिधियों का हुआ संवाद

राजेश्वर सिंह बोले- राज्यों की छोटी-छोटी ईकाइयों को भी मजबूत करने का सरकार प्रयास करें...

जयपुर. कासं। जयपुर के कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय की प्रबंध समिति के अध्यक्ष पानाचंद जैन के मार्गदर्शन में सोमवार को ''ग्राम प्रतिनिधियों के साथ शहरी युवाओं का संवाद'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल ने स्वागत उद्बोधन में वर्तमान शिक्षा प्रणाली के तहत अनुभवजनित शिक्षण को समय की मांग बताते हुए इस आयोजन की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। पानाचंद जैन ने कार्यक्रम की सराहना की और अतिथियों का अभिवादन किया। छात्राओं से संवाद हेतु विभिन्न ग्राम पंचायतों से पधारे ग्राम प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया। इनमें सरपंच रामराज चौधरी, ग्राम विकास अधिकारी महावीर शर्मा एवं महिला सरपंच नीरू यादव से छात्राओं ने ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं से जुड़े विभिन्न सवाल पूछे और ग्रामीण क्षेत्र में उनकी कार्यप्रणाली व चुनौतियों से रूबरू हुई। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सांसद राम चरण बोहरा ने प्रधानमंत्री की आयुष्मान भारत योजना, उज्ज्वला योजना आदि का उल्लेख किया और समाज में महिलाओं की विशेष भूमिका को रेखांकित किया। मुख्य वक्ता, राजस्व मंडल के अध्यक्ष राजेश्वर सिंह ने कहा कि केन्द्र और राज्य मजबूत हों और राज्यों की छोटी-छोटी ईकाइयों को भी मजबूत करने का प्रयास सरकार को करना चाहिए। भाजपा सह-कोषाध्यक्ष श्याम अग्रवाल ने भी छात्राओं को संबोधित किया। इस आयोजन में प्रबंध समिति के अध्यक्ष पानाचंद जैन, महाविद्यालय निदेशक डॉ. रश्मि चतुर्वेदी, सचिव विमल भाटिया, सदस्य संजीव सुरोलिया, प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल सहित सभी अतिथियों ने महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में सहायक आचार्य डॉ. निमिषा गौड़ की पुस्तकों का विमोचन किया।

जलदाय कर्मचारियों का 19 जुलाई को प्रदर्शन

विभाग में 15 हजार तकनीकी कर्मचारियों की भर्ती करने की मांग को लेकर जयपुर में होगा बड़ा आंदोलन

जयपुर. कासं। जलदाय विभाग में 31 साल से तकनीकी कर्मचारियों की भर्ती नहीं होने विभाग के कर्मचारी संगठनों ने 19 जुलाई को बड़ा आंदोलन करने का निर्णय किया है। इसे लेकर आज संगठनों ने मुख्यमंत्री के नाम विभाग के चीफ इंजीनीयर को ज्ञापन भी सौंपा है। इसमें 15 हजार तकनीकी कर्मचारियों की जल्द से जल्द भर्ती करने की मांग की है। संघ के प्रदेशाध्यक्ष कुलदीप यादव ने बताया कि विभाग में साल 1992 के बाद से ही तकनीकी कर्मचारियो की भर्ती नहीं की है। वहीं सरकार की ओर से हर साल पीने के पानी से जुड़ी बड़ी-बड़ी परियोजनाएं लेकर आ रही है। वहीं पब्लिक हेल्थ एंड इंजीनीयरिंग डिपार्टमेंट (पीएचईडी) का काम का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। नए-नए शहर बस रहे है और वहां पानी की लाइनें बिछाई जा रही है, लेकिन कर्मचारियों की संख्या रिटायमेंट के कारण हर साल कम हो रही है। उन्होंने बताया कि आज विभाग को 30 हजार तकनीकी कर्मचारियों की जरूरत है। इसमें मीटर रीडर, स्टोर मुंशी, हैल्पर, बेलदार, पम्प संचालक समेत अन्य पदा है। इस कारण आज जयपुर समेत प्रदेश के कई शहरों में ठेके पर कर्मचारी लेकर मीटर रीडिंग समेत अन्य काम करवाए जा रहे है। जयपुर में कर्मचारी नहीं होने के कारण लोगों को 4-5 महीने में भी पानी के बिल नहीं मिल रहे। उन्होंने बताया कि साल 2013 में 1309 पदों पर भर्ती की विज्ञप्ति जारी की गई थी लेकिन अब तक भर्ती नहीं की। इस कारण मजबूर होकर संगठन ने अब 19 जुलाई को जयपुर में बड़ा आंदोलन करने का निर्णय किया है।

वीआईएफटी इल्युमिनाती 2023: फैशन शो में पीआईएफटी स्टूडेंट्स के डिजाइन किए परिधानों पर ख्यात मॉडल्स ने किया कैटवॉक

संघ चेयरपर्सन आशीष अग्रवाल ने बताया कि वीआईएफटी की ओर से हर साल इल्युमिनाती फैशन शो का आयोजित होता है। अभी तक हुए फैशन शो में 400 से ज्यादा मॉडल्स रेम्प वॉक कर चुकी हैं। इस साल इल्युमिनाती फैशन शो के लिए मुम्बई से उदयपुर आई नामी मॉडल्स के साथ स्थानीय प्रतिभाओं को रेम्प पर वॉक करने का अवसर मिला।

उदयपुर. शाबाश इंडिया

रंग - बिरंगी लाइटों से जगमगाता विशाल मंच, तेज संगीत ध्वनि और हर प्रस्तुति पर उल्लास से गूंजता सभागार, मौका था लेकसिटी में रविवार को आयोजित फैशन शो इल्युमिनाती-2023 का जहां मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में साईं तिरूपती यूनिवर्सिटी के वैंकटेश्वर इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी एंड मास कम्युनिकेशन (वीआईएफटी) के फैशन शो में देश की ख्यात मॉडल्स ने रेम्प वॉक पर दिलकश अदाओं के जलवे बिखेरे।

बेस्ट थीम डिजाइनर्स...

मुस्कान बानो, नंदिनी दुग्गड़, सिमरन, आयुषी पाटीदार, सिधारा शेख, प्रियल, किरण सुथार और इंसिया कोल्यारी रही

ये स्थानीय प्रतिभाएं बनी मंच की शोभा

पूजा शर्मा, श्रेष्ठा शर्मा, युविका गहलोत, पूनम कंवर, मिताली कुमावत, दीपशिखा, मुस्कान, श्रुति जैन, यश कोटिया, पीयूष, मो. अयान, विप्रा मेहता, आर्यन खतुरिया, अमन खान, पायल मेनारिया, आंचल लोहार, अर्शिल अजीम, काव्या, भवदीप जैन, प्रताप सिंह, पंकज मालदिनी, निशा चौहान, विपुल, अभिषेक सिंह, प्रिया कुमावत, दिव्यांशी करनपुरिया, साहिल, मो रिजवान खिलजी, सुहानी नेनवा, आरिफ शाह और तेजस्विनी जैन। कार्यक्रम का संचालन निश्चय सोनी (आर जे समय) और हिमांशी चौबीसा ने किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रेसिडेंट डॉ.जे के छापरवाल, अव्य अग्रवाल, डॉ. कुंजन आचार्य, प्रो प्रेसिडेंट पियूष जवेरिया थे। संघ चेयरपर्सन आशीष अग्रवाल ने बताया कि वीआईएफटी की ओर से हर साल इल्युमिनाती फैशन शो का आयोजित होता है। अभी तक हुए फैशन शो में 400 से ज्यादा मॉडल्स रेम्प वॉक कर चुकी हैं। इस साल इल्युमिनाती फैशन शो के लिए मुम्बई से उदयपुर आई नामी मॉडल्स के साथ स्थानीय प्रतिभाओं को रेम्प पर वॉक करने का अवसर मिला। वीआईएफटी निदेशक डॉ. रिमझिम गुप्ता एवं प्रिंसिपल विप्रा सुखवाल ने बताया कि इस बार फैशन शो की थीम इजिप्ट, मुगल, ग्रीक, राजपूताना और विक्टोरियन थीं। सभी थीम को फैशन और टैक्सटाइल के विद्यार्थियों ने वीआईएफटी डायरेक्टर शीतल अग्रवाल के निर्देशन में तैयार किया। शो में टीवी एक्टर, लेक्मे एंड विल्स टॉपर मॉडल, मिस इंडिया, लेक्मे पूल मॉडल सहित देश विदेश में अपने जलवे बिखेर चुके फैशन जगत और भारत के टॉप मॉडल्स रैंप पर केटवॉक करते दिखेंगे। गौरतलब है कि इल्युमिनाती 2023 का स्टेज डिजाइन इंटीरियर आर्कीटेक्ट के छात्र छात्राओं ने किया वहीं मॉडल्स की दमकती ज्वेलरी डिजाइन एवं ड्रेसेज का जिम्मा फैशन, टैक्सटाइल, ज्वेलरी एवं फाइन आर्ट स्टूडेंट्स ने अपनी अपनी फेकल्टी के दिशा-निर्देशन में बखूबी निर्वहन किया। बता दें, इल्युमिनाती 2023 की तैयारियां नरेन गोयल, देवर्षि मेहता, निशांत परवीन, पूर्णिमा शर्मा, मानसी जैन, वर्षा शर्मा, तनुजा अजरिया, शशि प्रजापत, मुकेश और दीपेश मेनारिया के निर्देशन में स्टूडेंट्स ने करीब दो महीने तक बड़े मनोयोग से की। वीआईएफटी डायरेक्टर शीतल अग्रवाल ने बताया कि इल्युमिनाती के कोरियोग्राफर और डिजाइनर मुंबई में फैशन जगत के बड़े नाम गगन कुमार और अजय नायर थे। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज की प्रतिभाशाली फैकल्टी सावन दोषी (जैन) और ओमपाल की मिमिक्री ने सभागार में मौजूद दर्शकों से खूब दाद पाई।

रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'

वाटिका में सन्मति ग्रुप द्वारा पंचामृत अभिषेक व वृक्षारोपण किया

6 फुट से बड़े 30 पौधे लगाए। उप महापौर पुनीत कर्णावट समारोह के मुख्य अथिति थे। रीजन अध्यक्ष राजेश बडजात्या एवम महासचिव निर्मल संघी भी उपस्थित रहे

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन नवग्रह मंदिर वाटिका में सोमवार, 17 जुलाई सोमवती अमावस्या के पावन अवसर पर दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति एवम आदिनाथ मित्र मंडल द्वारा अतिशयकारी श्री मुनिसुव्रतनाथ के पंचामृत अभिषेक किए गए।मुख्य समन्वयक व कार्याध्यक्ष मनीष - शोभना लोंग्या व समन्वयक व सयुक्त सचिव राजेश - रितु छाबड़ा ने बताया कि अभिषेक के पश्चात वही पर वृक्षारोपण किया गया जिसमे 6 फुट से भी बड़े नीम, शीशम आदि के 30 पौधे लगाए गए।। राकेश - समता गोदिका, अध्यक्ष सन्मति ग्रुप ने बताया कि वृक्षारोपण समारोह के मुख्य अथिति पुनीत कर्णावट, उप महापौर, जयपुर नगर निगम ग्रेटर तथा विशिष्ट अथिति वरिष्ठ कर सलाहकार विनोद पाटनी तथा रीजन अध्यक्ष राजेश बडजात्या एवम महासचिव निर्मल संघी गौरवमय अतिथि थे। आदिनाथ मित्र मंडल के अध्यक्ष सुनील जैन व मंत्री राजेंद्र बाकलीवाल ने बताया कि इस अवसर पर सन्मति अध्यक्ष राकेश गोदिका, अशोक सेठी, कमल - मंजू ठोलिया, राजेश पाटनी, अनिल जैन, साकेत जैन, मुकेश जैन, विमल जैन, सन्नी लोंग्या आदि ने उपस्थित होकर एक एक पेड़ लगाए।

वेद ज्ञान

मंत्र शक्ति

मंत्रों में अत्यंत व्यापक शक्ति निहित है। मंत्र का आशय है-जो हमारे मन को प्रभावित करे। मंत्र अत्यंत सूक्ष्म होता है, लेकिन इसकी शक्ति अपरंपार होती है। बड़े-बड़े देवी-देवता मंत्रों के अधीन होते हैं। ठीक वैसे ही, जैसे एक छोटा अंकुश विशालकाय मदमस्त हाथी को वश में कर लेता है। जिस प्रकार मनुष्य साधारण शब्दों के माध्यम से एक-दूसरे से अपने मन को जोड़ता है। ठीक उसी प्रकार परमपिता परमेश्वर से संबंध स्थापित करने के लिए मंत्र उच्चारित किए जाते हैं। जिसके मनन मात्र से त्राण मिलता है, वही मंत्र है। मंत्रों में एक विशेष प्रकार की ऊर्जा होती है, जो जन्म-जन्मांतर के अंध तमस को कुछ क्षणों में मिटाने का कार्य करती है। जिन मंत्रों के प्रभाव से सभी कामनाओं की सहज ही सिद्धि मिलती है, जो मनुष्य के परम लक्ष्य की प्राप्ति में सहायक सिद्ध होते हैं, उन मंत्रों के उद्गम स्रोत वेद हैं। वेद मंत्र भगवान की वाणी है। मंत्रों में बीज अक्षरों का विशेष महत्व होता है। हम कुछ बीज अक्षरों को बार-बार दोहराकर अपने संपूर्ण मन, मस्तिष्क और इंद्रियों को उनके अनुरूप कार्य करने के लिए बाध्य कर लेते हैं। यज्ञ-हवन आदि में जिन मंत्रों का प्रयोग किया जाता है, वे मनुष्य को भगवद्प्राप्ति में सहायता प्रदान करते हैं। शुभ फल की प्राप्ति के लिए मंत्रों को बार-बार दोहराना चाहिए। मंत्रों के उच्चारण में विधि-विधान के साथ-साथ उच्चारण सही हो सके, यह सावधानी भी बरतनी चाहिए। मंत्र जाप के समय मन और चित्त को शांत रखें। मन की तल्लीनता भी नितांत आवश्यक होती है। मंत्रों के जप में चक्र जागरण का विशेष महत्व होता है। मंत्रों का जाप करते समय साधक को यह अनुभव करना चाहिए कि मंत्र नाभि से प्रकट हो रहे हैं। ऊर्जा का उर्ध्वगमन श्रेयस्कर माना गया है। आदि शंकराचार्य ने मानसिक जप को श्रेष्ठ माना है। मंत्र जप करने वाले साधक के लिए शुचिता का विशेष महत्व हैं। सच्चे सद्गुरु के पावन सान्निध्य में यदि मंत्रों को उच्चारित किया जाए, तो बात बनते देर नहीं लगती है। प्राचीन काल से ही ऋषि-मुनियों ने मंत्र के महत्व को जानते हुए समय-समय पर आवश्यकतानुसार लोकहित के लिए यज्ञ-अनुष्ठान आदि आयोजित किए। मंत्र साधक को आलस्य का त्याग करते हुए साधना में नियमितता को विशेष महत्व प्रदान करना चाहिए।

संपादकीय

अलगाववाद की बेहद खतरनाक आग

समावेशी विचार और लोकतांत्रिक व्यवस्था वाले भारत में खालिस्तान आंदोलन की कोई संभावना नहीं है। मगर कट्टरता, धार्मिक प्रदर्शन, सर्वोच्च धार्मिक संस्थाओं के क्रियाकलापों को नियंत्रित करने और क्षेत्रीय राजनीतिक दलों द्वारा अलगाववादी ताकतों को संरक्षण न मिले, इसे लेकर सजग रहने की जरूरत अवश्य है। खालिस्तान समर्थक विदेश में भारतीय राजनयिकों को निशाना बनाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में भारत को कूटनीतिक स्तर पर कड़े कदम उठाने की जरूरत है। खालिस्तान आंदोलन की संभावनाएं करीब ढाई दशक पहले ही खत्म हो गई थीं, लेकिन भारत से बाहर इसे जिंदा रखने की धार्मिक और राजनीतिक कोशिशें जारी रही हैं। हाल के महीनों में खालिस्तान से जुड़े कट्टर अलगाववादियों और भारत के मोस्ट वांटेड आतंकियों में से कुछ की मौत हुई है, इसे लेकर खालिस्तान समर्थक भारत पर आरोप लगा रहे हैं। दुनिया भर में भारत के खिलाफ प्रदर्शन और भारतीय राजनयिकों के खिलाफ हिंसा की अपील भी कर रहे हैं। कनाडा खालिस्तानी समर्थकों का गढ़ माना जाता है, वहीं ब्रिटेन, अमेरिका और आस्ट्रेलिया में भी खालिस्तान समर्थकों ने भारतीय दूतावास के बाहर प्रदर्शन किया है। लंदन में खालिस्तानी समर्थकों के हाथों में पाकिस्तान और कश्मीर के समर्थन वाले पोस्टर देखे गए। इसी साल मार्च में ब्रिटेन की राजधानी लंदन में खालिस्तान समर्थकों की उग्र भीड़ ने भारतीय उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन किया था। इस दौरान एक व्यक्ति ने भारतीय उच्चायोग पर लगे तिरंगे को उतार दिया था। वहीं आस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन शहर में भारतीय दूतावास को खालिस्तान समर्थकों के डर से बंद करना पड़ा था। विदेशों में दूतावास की सुरक्षा के लिए वैश्विक स्तर पर विएना समझौते को माना जाता है। वैश्विक स्तर पर यह राजनयिक संबंधों के लिए एक अंतरराष्ट्रीय संधि है। यह संधि राजनयिकों को मेजबान देश में बिना किसी जबर्दस्ती, उत्पीड़न या डर के काम करने में सक्षम बनाती है। कनाडा, ब्रिटेन और आस्ट्रेलिया जैसे देश भी इस संधि से बंधे हैं। भारत से इन देशों के साझा आर्थिक और रणनीतिक हित हैं। इन सबके बाद भी इन देशों में भारत-विरोधी गतिविधियों से कूटनीतिक चुनौतियां बढ़ गई हैं। कनाडा में भारतीय मूल के करीब दस लाख लोग रहते हैं, जिसमें पंजाबियों को अच्छी-खासी तादाद है, जो आर्थिक और राजनीतिक तौर पर बेहद सक्षम माने जाते हैं। इसका प्रभाव कनाडा के राजनीतिक हितों पर भी देखा गया है। कुछ कनाडाई सिख प्रवासी भारतीय आंदोलन के समर्थन के लिए कट्टरपंथियों को उकसाते हैं। बैसाखी और खालसा दिवस पर कनाडा के राजनेता भी खालिस्तान को समर्थन देते देखे गए हैं। इसके चलते भारत और कनाडा के संबंधों में ठहराव देखा गया है। भारत ने 2022 में कनाडा द्वारा खालिस्तानी अलगाववादी जनमत संग्रह की अनुमति देने पर आपत्ति जताई थी, साथ ही कनाडा में घृणा अपराधों के खिलाफ चेतावनी के साथ आगाह किया था। लोकतंत्र और बहुलवाद की भारत की साझी विरासत के प्रति कनाडा अपना समर्थन जताता रहा है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

राजनीति का लम्बा अनुभव

शरद पवार की 50 साल से ज्यादा लंबी सियासत है, राजनीति का हर दांव-पेच उन्हें बखूबी आता है। तभी तो कई मौकों पर बड़े खेल साहेब ने करके दिखाए हैं। लेकिन अब समय बदल गया है। एक जमाने का गुगली मास्टर अब एक विक्टिम है। विक्टिम उस सियासत का जहां पर पद की महत्वाकांक्षा ने पार्टी में ही दो फाड़ करवा दी है, कई सालों बाद महाराष्ट्र में खिसकती सियासत का अहसास करवा दिया है। माना जा रहा है कि पटना में जिस विपक्षी एकता की पहली नींव रखी गई थी, शरद पवार के साथ हुए इस सियासी खेले ने जमीन पर सबकुछ बदल दिया है। आलम ये है कि अजित के एक दांव ने बीजेपी की नई रणनीति एकदम साफ कर दी है। क्षेत्रीय पार्टियों को तोड़ना, उन्हें अपने पाले में लाना और एनडीए को फिर मजबूती प्रदान करना। इस समय इसी मिशन के साथ बीजेपी 2024 के लिए आगे बढ़ रही है। वैसे भी जिस तरह से पहले शिवसेना में दो फाड़ की गई, उसे देखते हुए माना जा रहा है कि बीजेपी हर कीमत पर खुद को 2024 से पहले फिर मजबूत करना चाहती है। अटकलें तो ये भी हैं कि बिहार में कुछ खेल हो सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि खबर है कि नीतीश आने वाले समय में तेजस्वी को बिहार का मुख्यमंत्री बनवा सकते हैं। इस डील से जेडीयू के ही कुछ नेता खुशन हीं हैं। ऐसे में बीजेपी वहां भी उस नाराजगी का फायदा उठा सकती है। बीजेपी के एक नेता ने तो यहां तक कह दिया है कि अगर घी टेढ़ी उंगली से भी ना निकले तो डिब्बे में ही छेद कर देना चाहिए। यानी कि पार्टी एक तरफ विपक्ष को एकजुट होने से रोक रही है तो वहीं दूसरी तरफ अपने कुनबे को बढ़ा करने का प्रयास कर रही है। अब बीजेपी तो पूरी तरह तैयार दिख रही है, लेकिन शरद पवार का खेल अभी भी ठीक तरह से नहीं समझा जा सकता है। सवाल कई उठ रहे हैं, लेकिन जवाब अभी स्पष्ट नहीं। ये लाजिमी सवाल है कि क्या शरद पवार ने खुद भी पार्टी में दो फाड़ होने दी? ऐसा इसलिए क्योंकि ये बात किसी से नहीं छिपी कि पवार, अपनी बेटी सुप्रिया सुले को आगे करना चाहते थे, ऐसे में अजित को हटा रास्ता साफ हो रहा है। बड़ी बात ये भी है कि अजित पवार का एनसीपी में दो फाड़ करना किसी को भी हैरान नहीं किया है। इसका कारण ये है कि अजित का वो दांव आना तय था, बस कब, सवाल ये था। शरद पवार ने जो इस्तीफे वाला दांव चला था, जानकार मानते हैं वो भी अजित का टेस्ट लेने के लिए था। उन पर ईडी के मामले थे, सीएम बनने की चाह थी, ऐसे में वे पाला बदल सकते थे। अब तो ऐसा हो भी चुका है, लेकिन विवाद इतना ज्यादा बढ़ गया है कि शरद पवार को गुगली मास्टर नहीं माना जा सकता, वे वर्तमान स्थिति में पीड़ित ज्यादा दिखाई पड़ते हैं।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

आदिनाथ मित्र मंडल के सहयोग से हुआ आयोजन, शिविर में 38 यूनिट रक्त एकत्र

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन के स्थापना दिवस पर राजस्थान रीजन द्वारा आयोजित सेवा पखवाड़े के अंतर्गत दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा एक रक्तदान शिविर का आयोजन स्वर्गीय श्री सुशील कुमार जी लुहाड़िया की पुण्य स्मृति में रविवार, दिनांक 16 फरवरी को प्रातः 9 बजे से 2 बजे तक मानसरोवर अग्रवाल फार्म स्थित कुमकुम फोटो स्टूडियो पर श्री आदिनाथ मित्र मंडल के सहयोग से किया गया। ग्रुप अध्यक्ष राकेश गोदिका के अनुसार शिविर में 38 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। आदिनाथ मित्र मंडल के अध्यक्ष सुनील जैन व मंत्री राजेंद्र बाकलीवाल ने बताया कि समारोह में दीप प्रज्वलन मुकेश लख्याणी, सयोजक स्वच्छ भारत अभियान एवम श्रीमती भारती लख्याणी पार्षद , चेयरमैन ग्रेटर नगर निगम जयपुर ने किया। शिविर उदघाटन का श्रीमती कुमकुम जैन ने किया । समारोह में रीजन अध्यक्ष राजेश बडजात्या तथा सचिव निर्मल संघी, उपाध्यक्ष सुनील बज, सोभागमल जैन, अनिल रावका आदि अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

समाज हितों की रक्षा के लिए आगे आएं युवा पत्रकार: प्रताप राय

अलर्ट उदयपुर न्यूज स्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह सम्पन्न

उदयपुर. शाबाश इंडिया

अलर्ट उदयपुर न्यूज का पांचवां स्थापना दिवस व सम्मान समारोह रविवार को शक्तिनगर स्थित झूलेलाल भवन में मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान सिंधी अकादमी के पूर्व अध्यक्ष हरीश राजानी ने पत्रकारों को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ बताया और उन्हें शहर के मुद्दों पर समाधान जनक पत्रकारिता का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि जैकब आबाद सिंधी पंचायत के अध्यक्ष प्रताप राय चुग ने युवा पत्रकारों को आगे आने व समाज के हितों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने को तैयार रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम में डॉक्टर्स, चार्टर्ड अकाउंटेंट, पत्रकार जगत सहित समाज सेवियों को सम्मानित किया गया। सीएमएचओ डॉ शंकर बामनिया, डॉ आनंद गुप्ता, डॉ आशीष सिंघल, डॉ सुषमा मोगरी, डॉ गौरव छाबड़ा, समाज सेवी गोपाल सालवी, चार्टर्ड एकाउंटेंट दीपक आहूजा, मुकेश खूबचंदानी, पार्षद जयश्री असनानी, अलर्ट उदयपुर न्यूज के संरक्षक महेंद्र वीरवाल, अधिवक्ता निर्मल पंडित, वरिष्ठ पत्रकार जार प्रदेशाध्यक्ष सुभाष शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश शर्मा, जार जिलाध्यक्ष (उदयपुर ईकाई) राकेश शर्मा 'राजदीप', और जार प्रदेश उपाध्यक्ष कौशल मूंदड़ा ने भी समारोह में विचार रखे। कार्यक्रम में विभिन्न मीडिया संस्थानों से आमंत्रित पत्रकार साथी जार कोषाध्यक्ष गोपाल लोहार, जार महासचिव दिनेश भट्ट,

हरीश नवलखा, दिनेश हाड़ा, लक्ष्मण गोरण, गोविंद ओड़, जया कुचरू, योवन्तराज माहेश्वरी, कृष्णकांत शर्मा, भरत मिश्रा, यशवंत, वंदना राठौड़, मांगीलाल लोहार, दिनेश शर्मा आदि का सम्मान किया गया। इस दौरान जार उदयपुर ईकाई की ओर से उदयपुर अलर्ट के ऑफिस के लिए फ्रेम किया एक छायाचित्र भेंट किया गया। आरम्भ में अतिथियों का स्वागत अलर्ट उदयपुर न्यूज के संचालक नरेंद्र कहार व प्रबंध संचालक तारा पंवार ने किया। कार्यक्रम संचालन अलर्ट न्यूज पत्रकार बाबूलाल ओड़ ने किया व धन्यवाद अलर्ट उदयपुर न्यूज के रिपोर्टर सुनील कालरा ने किया। **रिपोर्ट: दिनेश शर्मा, अर्जेंट स्टूडियो**

जैनाचार्य कामकुमारनंदी महाराज की हत्या के विरोध में जैन समाज का विशाल मौन जुलुस

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया

कर्नाटक राज्य के बेलगामी जिले के चिकोडी तालुक मे नंदी पर्वत पर जैन तीर्थ पर विराजमान आचार्य श्री 108 कामकुमारनंदी जी मुनिराज की 5 जुलाई को हुई निर्मम हत्या के विरोध म सोमवार को पूरा जैन समाज जिसमे बुजुर्ग युवा महिलाए एवम बच्चे शमिल हुए और सड़को पर उतरकर मोन जुलुस निकाला।

बरसते पानी मे उत्साह एवम जोश के साथ निकला जुलुस

शहर में रविवार को रात्रि मे जोरदार बारिश शुरू हुई जो प्रातः (सोमवार) 10 बजे तक चालु थी लेकिन बारिश की परवाह नहीं करके अपने तय समय से मोन जुलुस मे समाज के लोग तख्तिया लेकर पूरे उत्साह एवम संतो के प्रति श्रद्धा के भाव लेकर बड़ी संख्या मे चल रहे थे वही इस आक्रोश जुलुस पर नजर डाली जाए तो. इस जुलुस का एक सिरा माल गोदाम चोराहे पर था दूसरा सिरा पन्नालाल चोराहा पर था। जैन धर्म के मूलमंत्र अहिंसा का सन्देश देते हुए जैन समाज ने मोन जुलुस निकाला जिसमे युवा महिलाए एवम बच्चे सन्देश लिखित तख्तिया जिसमे मुनि हत्या के अपराधियो पर अतिशीघृ कार्यवाही हो, मुनि से धर्म, धर्म से ही है हम, संत है जीवन का वरदान उन्हे मारकर केसे रखोगे अपना स्वाभिमान, मुनि हत्या एक पाप है जीवन के लिए एक अभिशाप है। जैन संतो की सुरक्षा को प्राथमिकता दो हाथो मे लेकर चल रहे थे एवम जुलुस मे शामिल सभी लोगो ने विरोध के प्रतीक स्वरुप काली पट्टी बांध रखी थी। श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर अध्यक्ष राजकुमार पारख ने बताया मोन जुलुस प्रातः 10 बजे बाजार नंबर1 शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से प्रारभ होकर

शहर के मुख्य बाजारों से होता हुआ पुलिस थाना पहुचा जहा उपजिला कलेक्टर के प्रतिनिधि नायाब तहसीलदार पुलिस प्रशासन के उप पुलिस अधीक्षक एवम सर्किल इन्सपेक्टर को ज्ञापन दिया गया भारत के प्रधानमंत्री कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के नाम देते हुए मांग की कामकुमार नंदी आचार्य की हत्या का जल्द खुलासा हो हत्या का मामला फास्ट ट्रैक कोर्ट मे जल्द निस्तारित हो पूरे भारत मे जैनधर्म जैनतीर्थ और साधु साध्वियो की सुरक्षा के लिए जैन सरक्षण बोर्ड की स्थापना हो जैन साधु साध्वियो को पैदल विहार मे सरकारे सुरक्षा प्रदान करे इस बेला मे शांतिनाथ महिला मंडल अध्यक्ष शोभना साँवला ने बोलते हुए इस घटना की निंदा की एवं उन्होने कर्नाटक ही नहीं पूरे भारतवर्ष मे जहा भी संत हो किसी भी सम्प्रदाय के हो उन्हे प्रोटेक्शन मिलनी चाहिए वही प्रशांत आचार्य ने इस घटना के हम अहिंसा के पुजारी है इसलिए हमने अपना विरोध मोन रहकर किया हम आदरणीय अधिकारी महोदय से मांग करते है हमारी मांग को आप आगे तक लेकर जाए वही इस रैली से पूर्व नगर मे विराजित ऐलक श्री 105 क्षीरसागर महाराज ने कहा मुनिराज की हत्या हुई ऐसा कार्य इतिहास मे कभी नहीं हुआ हैं। जैन संतो की चर्या आज भी भगवान महावीर जेसी है ऐसे संतो की रक्षा करना पूरे देश और पूरे विश्व की जिम्मेदारी है जिन्होने ऐसा कार्य किया है वह निंदनीय है। मौन जुलूस में दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष अजीत कुमार सेठी, उपाध्यक्ष दिलीप कुमार विनायका, महावीर जैन मंदिर अध्यक्ष महेंद्रकुमार ठोरा, सचिव पदम सुरलाया, श्वेतांबर जैन मंदिर अध्यक्ष राजकुमार पारख, मंगल डांगी, गौरव बाफना, वर्धमान स्थानकवासी श्री संघ के मंत्री अजीत पारख, रूप चंद जैन, संजय पतीरा, जैन सोशल ग्रुप के प्रदीप शाह, राजीव जैन, श्री वीर जैन सोशल ग्रुप के सुनील सुरलाया, दिगंबर जैन सुप्रभात समूह के देवेंद्र गर्ग, श्रावक परिवार के प्रशांत शास्त्री, आकाश शास्त्री, महिला मंडल अध्यक्ष शोभना सांवला, ललिता विनायका, सुलोचना लुहाड़िया, सुमित्रा सेठी, नगर पालिका पार्षद श्रेयांस पारख, वर्षा जैन, रुचिता जैन के साथ बड़ी संख्या में लोग अनुशासित होकर साथ चल रहे थे।

अभिषेक जैन लुहाड़िया
रामगंजमंडी की रिपोर्ट

जयपुर टाइगर फेस्टिवल द्वारा विश्व स्तरीय टाइगर फोटो एग्जीबिशन एवं प्रतियोगिता जयपुर में 29 जुलाई से

जेकेके में इंटरनेशनल टाइगर डे पर टाइगर फोटोग्राफी एग्जिबिशन एवं प्रतियोगिता। बॉलीवुड स्टार गोविंदा द्वारा पोस्टर का लोकार्पण। प्रतियोगिता के प्रथम विजेता को 51000 दूसरे विजेता को 31000 रुपए व तृतीय विजेता को 21000 रुपए का नगद पुरस्कार

विभिन्न कैटेगरी में 5100 रुपए के 10 मोटिवेशनल पुरस्कार

जयपुर. शाबाश इंडिया

हमें आज बाघ, वन्यजीव एवं वनों को संरक्षित करना होगा, देश में जो टाइगर की स्थिति है उसे देखकर सरकारों के साथ साथ आमजन को भी जागरूक करने की जरूरत है। यदि ऐसा नहीं किया गया तो राष्ट्रीय पशु लुप्त हो जाएगा। देश में बाघों के प्रति अवेयरनेस के लिये जयपुर टाइगर फेस्टिवल (जेटीएफ) की ओर से इंटरनेशनल टाइगर डे 29 जुलाई से 01 अगस्त तक जयपुर के जवाहर कला केंद्र में एक टाइगर फोटोग्राफी एग्जिबिशन एवं प्रतियोगिता का आयोजन होने जा रहा है। इस प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता के पोस्टर का लोकार्पण गत रविवार बॉलीवुड स्टार गोविंदा द्वारा किया गया। जेटीएफ के सचिव, आशीष बैद ने बताया कि प्रदर्शनी में देश विदेश से वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर बाग के विभिन्न फोटोग्राफी प्रर्दशित करेंगे जिसके एंन्ट्री की

अंतिम तारीख 18 जुलाई दी गयी है। सदस्य राज्य वन्यजीव बोर्ड राजस्थान एवं जेटीएफ संस्थापक-संरक्षक धीरेंद्र के गोधा ने बताया कि प्रर्दशित फोटोग्राफी केवल और केवल आम जन में हमारे राष्ट्रीय पशु बाघ के बारे में जगरुखता लाने का एक प्रयास है। प्रदर्शनी में भारतीय वन सेवा अधिकारी, सुदर्षन षर्मा और रक्षा संस्था एन जी ओ के फॉउंडर, रोहित गंगवाल द्वारा चयनित फोटोग्राफ प्रदर्शित की जाएंगी। प्रदर्शनी में टाइगर जंगल में कैसे रहते हैं, कैसे शिकार करते हैं, कैसे अपने बच्चों को पालते हैं और बागों की विभिन्न अठखेलियां दर्शकों को प्रस्तुत करेगी। संस्था के ट्रस्टी आनंद अग्रवाल ने बताया कि 3 दिवसीय एग्जिबिशन राजस्थान वन विभाग के सहयोग से की जा रही है। प्रदर्शनी में कई संस्थाओं का सहयोग है जिसमें एस्ट्रल पाइप्स प्रमुख है व होटल क्लार्क्स आमेर और होटल द फर्न हैं। प्रतियोगिता के लिए 4 सदस्य जूरी बनाई गई है जिसमें विश्व के नामचीन नाम शमिल हैं जैसे विष्व के नामचीन नाम जैसे 5 बार राष्ट्रपति अवार्ड विजेता एस नल्लामुथु। संयुक्त राष्ट्र के मुख्य फोटोग्राफर (1987 - 1998), व ऑद्रे हेपबर्न और माइकल जैक्सन जैसी अंतरराष्ट्रीय हस्तियों के साथ काम कर चुके यूनाइटेड स्टेट्स के जौन ईसाक। यूनाइटेड किंगडम के क्रिस ब्रंसकिल जो रणथंभौर नैशनल पार्क मे बाघों की इमेजिस के व्यापक संग्रह के लिए म्यूटिपल पुरस्कार विजेता; और सितारा कार्तिकेयन जो बीबीसी वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर ऑफ द ईयर, विंडलैंड स्मिथ टाइस इंटरनेशनल और डीजे मेमोरियल फोटोग्राफी अवार्ड्स से सम्मानित है। संस्था के अध्यक्ष, संजय खवाड ने बताया कि प्रतियोगिता के प्रथम विजेता को 51000 रुपए दूसरे को 31000 रुपए एवं तृतीय को 21000 रुपए का नगद पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अलावा होटल फर्न रणथम्बोर फारेस्ट रिसोर्ट द्वारा प्रथम, द्वतीय और तृतीये विजेता को वन नाईट स्टे और 2 जंगल सफारी दी जाएंगी। इसी के साथ विभिन्न कैटेगरी में 5100 रुपए के 10 मोटिवेशनल पुरस्कार भी दिए जाएंगे।

श्री महावीर कॉलेज में महावीर सिविल सर्विसेज एकेडमी का आरम्भ

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद द्वारा श्री महावीर कॉलेज में शनिवार 15 जुलाई को महावीर सिविल सर्विसेज अकादमी का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महोदय आई ए एस डॉ. ओम प्रकाश बैरवा, आई ए एस श्री पवन कुमार, आर ए एस श्रीमति कमल प्रीत कौर, श्री हीरालाल शर्मा राज, पुलिस, अकादमी अध्यक्ष श्री उमरावमल संघी, मानद मंत्री श्री सुनील बख्शी, उपाध्यक्ष श्री मुकुल कटारिया, श्री कमलबाबू जैन, श्री जैन रुपिन काला, श्री राजेंद्र बिलाला, श्री मनीष बैद, श्री मुकेश सोगानी, श्री विनोद कोटखावदा, श्री नगेन्द्र कुमार पूर्व मुख्य न्यायाधीश मद्रास एवं कर्णाटक उच्च न्यायलय एवं पूर्व अध्यक्ष मानवाधिकार आयोग, एन.डी.माथुर पूर्व डीन राजस्थान विश्वविद्यालय, प्रोफेसर अमला बत्रा पूर्व प्राचार्य महारानी कॉलेज, श्री नितिन कस्लीवाल एवं श्री महावीर कॉलेज के प्राचार्य डॉ आशीष गुप्ता द्वारा मां सरस्वती एवं भगवान श्री महावीर स्वामी की प्रतिमाओं के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। शिक्षा परिषद के अध्यक्ष, मंत्री महोदय एवं कार्यकारिणी सदस्यो ने मुख्य अतिथि का माल्यार्पण कर स्वागत किया। परिषद् के मानद मंत्री महोदय श्री सुनील बख्शी ने बताया की इस अकैडमी के माध्यम से न सिर्फ जैन समाज के छात्र- छात्राएं लाभ प्राप्त करेंगे एवं सर्वसमाज के विद्यार्थीयों को प्रशासनिक सेवा में अपना भविष्य बनाने का अवसर प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि इस एकेडमी में आई ए एस आर ए एस कैट, एस एस सी, बैंक पीओ एवं अन्य कॉमपिटेटीव एग्जाम्स की तैयारी वरिष्ठ एवं अनुभवी अध्यापकों द्वारा न्यूनतम शुल्क पर उपलब्ध करवाई जाएगी आयोजन के अतिथि आई ए एस ओम प्रकाश बैरवा ने विद्यार्थियों से संवाद कर बताया की

जीवन में सफलता त्याग एवं कड़ी मेहनत से प्राप्त होती है। आर ए एस कमलप्रीत कौर ने अपनी जीवन यात्रा छात्रों के साथ साँझा की एवं बताया किन-किन परिस्तिथियों में उन्होंने अपने लक्ष्य को प्राप्त किया। नव चयनित आई ए एस पवन कुमार ने विद्यार्थियों को प्रशासनिक परीक्षा में किन किन बातो को ध्यान में रखना चाहिए जिससे कम समय में आवश्यकता के अनुसार तैयारी की जा सके। अंत में हीरा लाल शर्मा कइ Officer ने छात्रों को अपनी रूचि के अनुसार विषय का चयन करने की सलाह दी एवं मोबाईल के द्वारा व्यर्थ हो रहे समय से छात्रों को अवगत कराया। अध्यक्ष महोदय ने अपने आशीर्वचन में विद्यार्थियो के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया तथा बताया कि इस एकेडमी से विद्यार्थी पढ़ने का तरीका समझेंगे एवं उससे लाभान्वित होंगे। कार्यक्रम के अंत में कॉलेज प्राचार्य ने आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

श्रमण ज्ञान भारती के 23वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित हुआ पूर्व स्नातक छात्रों का अधिवेशन

मथुरा. शाबाश इंडिया। वीर निर्माण संवत 2549, प्रथम श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि और शनिवार का दिवस। सूरज और बादल की अठखेलियों ने उमस को बढ़ा रखा था लेकिन ब्रज की गोद में बसे सिद्ध क्षेत्र मथुरा 84 और श्रमण ज्ञान भारती छात्रावास में अलग ही गर्मजोशी का माहौल था। वजह थी श्रमण ज्ञान भारती के 23वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित पूर्व स्नातक छात्रों का अधिवेशन। संस्थान की स्थापना के दो दशकों से ज्यादा का समय बीत जाने के बाद ऐसा पहला अवसर था जब सभी पूर्व छात्र एक समावेशन कार्यक्रम का हिस्सा थे। दो दिवसीय कार्यक्रम की शुरूआत भगवान अजितनाथ के समक्ष प्रातः कालीन अभिषेक, शांति धारा और संगीतमय पूजन के साथ हुई। पूजन का माहौल इतना भक्तिमय और आनंदित था, कि न सिर्फ पूजा करने वाले पूर्व छात्र बल्कि मथुरा 84 प्रांगण में मौजूद एक एक श्रद्धालु अपने भक्ति के भावों को व्यक्त करने से खुद को रोक नहीं सका। पूजन के पश्चात अधिवेशन के पहले सत्र की शुरूआत मंगलाचरण, दीप प्रज्वलन और चित्र अनावरण के साथ हुई। वर्तमान- पूर्व शिक्षकों तथा अतिथियों के सम्मान के बाद संस्थान की रीढ़ कहे जाने वाले अधीक्षक श्री जिनेन्द्र शास्त्री जी ने कार्यक्रम की प्रस्तावना को गढ़ा। इस दौरान संस्थान के जनक और प्रेरणा बिंदु समाधिस्थ सराकोद्धारक आचार्य श्री 108 ज्ञान सागर जी महाराज, स्व. श्री भूपेन्द्र जी बैनाड़ा, संस्थान के दिवंगत छात्रों तथा संस्थान से जुड़े अन्य स्मृति शेष व्यक्तियों को याद करते हुए विनयांजलि अर्पित की गई।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

सांसों की वैरायटी करें कमाल

शाबाश इंडिया

दुनियांभर की रहस्यमयी पहेलियों में से एक पहेली सास भी है। किस्म-किस्म की सासें अपने अपने स्वभाव की मालकिन है। इनसे पार पाना भी मुश्किल है सीधी-सादी बहुओं के लिए। विविधता से परिपूर्ण हमारे देश में तरह-तरह के अजूबे पाए जाते हैं। हमारी हर बात निराली होती है। लेकिन हमारे देश की संस्कृति में एक अजूबा चरित्र ऐसा भी है, जो भारत की विविधताओं में एकता का गुरुत्व भार अपने कंधों पर सदियों से ढोता आ रहा है। इस अद्भुत चरित्र का नाम है सास। हम अन्य भाषाओं में पति की माँ कह सकते हैं। यह चरित्र सरल भी है और जटिल भी जलेबी की तरह सीधी भी है, तो करेले की तरह मीठी भी है, यह नमक की तरह खारी भी है। यदि दुनियाँ विभिन्न पहेलियों की बात की जाए तो सास की पहेली सबसे ज्यादा जटिल आती है। बीजगणित के जटिल समीकरण आसानी से हल हो सकते हैं, लेकिन सास बहू के समीकरण को समझना और हल करना हम जैसे तुच्छ प्राणी के बस की बात नहीं है। सास बहू का विवाद हर गृहस्थी को सामना करना पड़ता है। सास शब्द निश्चय ही श्वास से जुड़ा होगा। हमारी अनुसार सास की सरल परिभाषा यह हो सकती है कि सास वह होती है जो सांसो को नियंत्रित करने का जिम्मा उठाती है। सास बहू के संबंध गृहस्थी की नींव हैं। उपयोगिता की दृष्टि से सकारात्मक सोच वाली सासें अपनी बहू के लिए एक आदर्श और मजबूत संबल होती है, तो नकारात्मक भूमिका वाली सासें गृहस्थी का बंटाधार करने के लिए जगतप्रसिद्ध है। सासें चाहे तो घर की बागडोर को अच्छी तरह हैंडल कर सकती है तथा नई नवेली बहू के लिए आदर्श शिक्षिका ही साबित हो सकती है, जिसमें सारे परिवार का उद्धार निहित है। प्रथम श्रेणी की सासों की बात अगर करें तो ये 'बड़बड़' करने वाली होती है। इस श्रेणी की सासों को 'बकबक सासें' कहा जाता है। उनका पहला और आखरी काम होता है बहुओं के क्रियाकलापों पर टिप्पणी करना। ऐसी सासें जब चाहे तब तिल का पहाड़ बनाकर विस्फोट करा देती है। उनका खून गर्म होता है। बहुओं की छोटी से छोटी बात पर भी पैनी नजर रखना उनकी सामान्य आदत होती है। मीनमेख निकालने की कला में वे दक्ष होती है। संभवतः इसी क्रिया द्वारा उनका भोजन पचता है। ऐसी सासें बहू के दोषों का बखान करने में कभी नहीं थकती। उनकी अपनी बहुओं से हमेशा तनातनी चलती रहती है। द्वितीय श्रेणी की सासों को हम 'सौम्य सासें' कहते हैं। ये गऊछाप होती है। इनकी प्रकृति बहू पर दोष मढ़ने की नहीं होती है, बल्कि उन्हें प्यार से समझा कर उनकी गलतियों को सुधारने वाली होती है। ऐसी सांसों का अकाल पड़ा होता है। यदि इन

सासों का पाला तेजतर्रार बहू से पड़ जाए तो दहेज के झूठे इल्जाम में हवालात की गौशाला में भी वह बँधी नजर आ सकती हैं। तृतीय श्रेणी की सासें 'पहलवान टाइप' रहती हैं। वह अपने बाहुबल के प्रदर्शन का अवसर कभी नहीं छोड़ती है, मौका मिलते ही थप्पड़ जड़ना उनका सबसे पसंदीदा काम होता है, लेकिन वरीयता क्रम में पिछड़ी इन सासों की लोकप्रियता आधुनिक युग में बड़ी तेजी के साथ घटती जा रही है। वर्तमान कानून और प्रतिबंध उनकी वंशवृद्धि में बड़ी रुकावट पैदा कर रहे हैं। एक जमाना था जब ऐसी सासों ने बॉलीवुड की फिल्मों में धाक जमाई हुई थी। ललिता पवार को ऐसी सास के अभिनय ने ही लोकप्रियता की बुलंदियों पर पहुंचा दिया था। ऐसी सासों से बहू बेटे ही नहीं बल्कि पूरा मोहल्ला डरा करता था। लेकिन अब ऐसी रौबदार बाली सासों के दिन लद गए हैं। चतुर्थ श्रेणी में 'चुगलबाज सासों' को रखा गया है। उनका प्रिय शौक चुगलबाजी करना होता है। यह सासें घर परिवार की बातें मीडिया की तरह जन साधारण तक पहुंचाने में कार्य करती हैं। उनकी रिपोर्टिंग के आगे इलेक्ट्रॉनिक अथवा प्रिंट मीडिया भी फेल साबित होती है। आज बहू कब सोकर उठी अथवा सब्जी में नमक ज्यादा था या कम जैसी महत्वपूर्ण खबरें हजारों मील दूर बैठे रिश्तेदारों को सहज ही पता चल जाती है। पंचम श्रेणी 'फरमाइशी सासों' की है। कारण उनकी फरमाइशें कभी पूरी नहीं होती है। बहुओं से उनकी फरमाइशें हमेशा चलती रहती है। ऐसी सासें दहेज से कभी संतुष्ट नहीं दिखती। उन्हें पूंजीवादी सासें भी कहा जा सकता है, क्योंकि उनकी सारी चिंता पूंजी पर केंद्रित रहती है। षष्ठी प्रकार की सासों को' समाजवादी सासें' कहना उचित होगा। उन्हें हमेशा समाज की चिंता सताती रहती है। उन्हें डर सताता रहता है कि पता नहीं बहू कब उनकी प्रतिष्ठा की नाक समाज में कटवा डाले। किसी ने देख लिया तो लोग क्या कहेंगे? जैसे जुमले उनके मुंह पर हमेशा चढ़े रहते हैं। ऐसी सासें हमेशा अपनी बहुओं के कृत्यों और उनके समाज पर पड़ने वाले प्रभाव का मूल्यांकन विश्लेषण करती प्रतीत होती है। सप्तम श्रेणी की सासें 'शिकायत प्रधान' होती हैं। मुंह पर थप्पड़ की तरह अपनी शिकायतें दागती रहती है। ऐसी सासों को झेलने के लिए जरूरी है कि बहुएं अपने कानों को हमेशा दुरुस्त रखें। अथवा सास की बात को एक कान से सुने और दूसरे से निकाल दे। अष्टम श्रेणी 'भक्ति प्रधान' सासों की है। उनका ज्यादातर समय बहू पुराण पर बतियाते हुए पूजा पाठ करने, माला जपने या भजनकीर्तन करने में व्यतीत होता है। उनके शरीर में कभी-कभी सास की ओरिजिनल फोरम भी अवतरित होती रहती है। बहू के कारनामों के टर्निंग प्वाइंट से भी वे मुक्त नहीं होती। माला घुमाते वे बहू को हुक्म देने के विस्फोटक बीज मंत्रों का उच्चारण भी करती है रहती है। लेकिन यह तथ्य भी बेहद महत्वपूर्ण है कि वर्तमान समय में आधुनिकता के दौर में सासों की दशा बेहद खराब है। हम दो हमारे दो के फैशन में एकल परिवारों में सास-ससुर अवांछित सदस्य समझे जाने लगे है। अतीत के आक्रामक रूप से पिछड़ कर अब सास सुरक्षात्मक भूमिका तक सीमित हो गई हैं। अब जमाना ही कहाँ रहा जब सास की झिड़कियों को प्रसाद समझकर बहुएं उन पर अमल करती थी। सासों को सर्वत्र आदर सम्मान प्राप्त था। वर्तमान तो 'जैसे को तैसा' का युग है, इसलिए बदले जमाने में तो सासों का शास्त्रीय रूप दुर्लभ होता जा रहा है। यह भी सत्य है कि सास-बहू की खटपट कभी खत्म नहीं होती। उनका कोल्ड वार जारी रहता है। बहू या जमाई राजा, उन्हें अपनी-अपनी सासूमां की अंतहीन शिकायतें सुननी ही पड़ती है। शीत युद्ध लड़ना उनकी विवशता होती है, वह चाहे मीठी हो या कड़वी। समाज का ताना-बाना ही ऐसा बुना गया है कि आम तौर पर उन्हें नाराज करने का रिस्क कोई नहीं लेता। फिलहाल सासों की शोचनीय हालत से लगता है कि उन्हें सरकारी संरक्षण की जरूरत पड़ने वाली है। 'सेव टाइगर' की तरह 'सेव मदर इन लॉ' की योजना सरकार को लॉन्च करनी पड़ेगी, क्योंकि यदि यही हाल रहा तो सासें धीरे-धीरे अपना मूल स्वरूप खोकर अतीत की धरोहर मात्र रह जाएगी।

पूजा गुप्ता: मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश)

निंबाहेड़ा दिगंबर जैन समाज के चुनाव संपन्न

निंबाहेड़ा. शाबाश इंडिया। नगर में सकल दिगंबर जैन समाज की नवीन कार्यकारिणी के सर्वसम्मति से चुनाव सम्पन्न हुए। समाज के प्रवक्ता मनोज सोनी ने बताया की आदर्श कॉलोनी स्थित आदिनाथ दिगंबर मांगलिक भवन में दिगंबर जैन समाज की नवीन कार्यकारिणी के संपन्न हुए चुनाव में सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद पर सुशील काला का मनोनयन किया गया। समाज स्तर पर आगामी दो वर्षो के लिए बनाई इस नवीन कार्यकारिणी में परम संरक्षक अशोक पाटनी वंडर सीमेंट, संरक्षक पद पर सोहनलाल जैन, सुमतिलाल पटवारी , ऋषभ पटवारी, महेंद्र दावड़ा, पारसमल पटवारी, दीपचंद मोदी, उपाध्यक्ष पद पर प्रेमचंद पाटोदी दिलीप अग्रवाल, मंत्री जीवन्धर पाटनी मनोज पटवारी, प्रवक्ता मनोज सोनी पत्रकार, कोषाध्यक्ष प्रेमचंद मोदी कमलेश कोठारी, संगठन मंत्री नरेंद्र पटवारी, राजेश गंगवाल को मनोनीत किया गया इसी तरह मांगलिक भवन कार्य समिति में पीयूष मोदी के साथ सुरेंद्र विनायका, हरमेश सिंघवी, चेतन जैन, मनीष गदिया, राकेश चंद्रावत तथा मुनि सेवा समिति में अमित सेठी युवा वर्ग के सानिध्य में साधु वृंदों का सेवा कार्य संपन्न करेंगे। इसी के साथ समाज कार्यकारिणी सदस्यों के रूप में समाज के रौनक पाटोदी, तपन पारलिया, भरत जैन, ललित पाटनी, नितिन जैन, रितेश जैन, अनिल भोरावत, राकेश देवरिया का मनोनयन किया गया।

जैन पत्रकार महासंघ के प्रतिनिधि मण्डल को मिला गुरु आशीष

जैन पत्रकार महासंघ के प्रतिनिधि मण्डल को मिला गुरु आशीष। मीडिया ही पत्रकारिता के दायित्व का निर्वहन करता है: मुनि आदित्य सागर

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। लिखा हुआ सच ही भविष्य में प्रमाण बनता है, ओर वही प्रमाण हमें अपना आगम देता है ।एक पत्रकार का भी नैतिक दायित्व होता है कि वह अपने पाठकों या दर्शको को सत्य ही परोसे। पर आज पत्रकारिता में भी बड़ी गिरावट आ गई है इलेक्ट्रॉनिक मीडिया जो केवल अपने दर्शकों को बांधे रखने के लिए सच को झुठ ओर झुठ को सच बनाने में माहिर हो गया है ।देश मे चल रहे किसी भी मुद्दे को कितना ऊँचा उठाना है या कितना दबाना है यह सब प्रायोजित सा लगने लगता है । लेकिन प्रिंट मीडिया की विश्वसनीयता आज भी बरकरार है जो निष्पक्षता के साथ अपने दायित्व का निर्वहन कर रहा है । असल पत्रकार वहीं है जो समाज या राजनीति के ज्वलन्त मुद्दों को जनता के सामने रखे और तब तक रखे जब तक उन मुद्दों का कोई समाधान नहीं निकले। आर. के. कॉलोनी में वषायोग कर रहे मुनि आदित्य सागर जी ने जैन पत्रकार महासंघ के प्रतिनिधि मण्डल को आशीर्वाद देते हुए वार्ता में इस कथन को कहा। भीलवाड़ा जिला संयोजक प्रकाश पाटनी ने जानकारी देते हुए बताया की जैन पत्रकार महासंघ के संस्थापक राष्ट्रीय मंत्री श्री राकेश जैन 'चपलमन' एवं मांडलगढ़ के क्षेत्रीय प्रतिनिधि श्री अनिल सेठिया सहित मुनिसंघ से एक शिष्टाचार भेंट हुई जिसमें सदस्यो द्वारा जैन पत्रकार महासंघ की स्थापना एवं उसके उद्देश्यों के बारे में मुनिश्री को बताया गया। इस अवसर पर राकेश 'चपलमन' ने मुनिश्री से निवेदन करते हुए कहा कि हमारा चलता फिरता आगम तो आप जैसे श्रमण है जिनसे वास्तविक दिगम्बर धर्म की पहिचान है अतः अपनी साधना के काल मे से कुछ समय निकालकर जैन पत्रकार महासंघ के सभी सदस्यों को सम्यक निर्देशन अवश्य प्रदान करें। प्रकाश पाटनी ने कहा कि शीघ्र ही एक रूपरेखा बनाकर मुनि श्री आदित्य सागर महाराज के सानिध्य में पूरे भारत वर्ष के जैन पत्रकारों को भीलवाड़ा आमन्त्रित किया जायेगा।

सहस्त्र कूट विज्ञा तीर्थ पर सांस्कृतिक कार्यक्रम में उमड़ा महिलाओं का जनसैलाब

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। गांव गुन्सी स्थित सहस्त्र कूट विज्ञा तीर्थ जिनालय पर आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के सानिध्य में हरियाली अमावस्या सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें सेकंडों महिलाओं ने भाग लिया। विज्ञा तीर्थ के सुनील भाणजा ने बताया कि कार्यक्रम से पूर्व गणाचार्य विराग सागर महाराज की तस्वीर का लोकार्पण एवं दीप प्रज्वलित करने का सोभाग्य विमल सोगानी राजेश बनेठा संजय सोगानी प्रदीप माधोराजपुरा विनोद कुमार महेश मोठूका योगेन्द्र सिंहल हितेश छाबड़ा दिनेश चंवरिया दिनेश जैन मनोज पाटनी पारस जैन को सोभाग्य मिला। सुनील भाणजा ने बताया कि कार्यक्रम का मंगलाचरण विशुद्ध वर्धनी महिला मण्डल णमोकार महिला मण्डल ने किया। कार्यक्रम में आर्यिका विज्ञाश्री माताजी धर्म सभा को सम्बोधित किया एवं सभी श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान किया। विमल जौंला ने बताया कि कार्यक्रम के तहत प्रथम बार विज्ञा तीर्थ पर धार्मिक तम्बोला सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें प्रथम द्वितीय तृतीय एवं सभी सांत्वना पुरस्कार विजेता को सुरेश कुमार संजय कुमार एवं सुनील भाणजा द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के तहत निमोला अतिशय क्षेत्र के मंत्री बाबूलाल राणोली का विज्ञा तीर्थ कमेटी द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जयपुर निवाई चाकसू एवं टोंक के सेकंडों श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

वायलिन के सबक से किया गुरुवंदन

जयपुर. शाबाश इंडिया

गुलजार वायलिन एकेडमी के वार्षिक उत्सव कार्यक्रम गुरुवंदन मे पच्चीस उभरते हुए युवा कलाकारों ने वायलिन जेसे मुश्किल साज पर प्रसिद्ध राग व धुनो से सभी का मन मोह लिया। एकेडमी द्वारा गुरूपूर्णिमा उत्सव मे वायलिन वादक गुलजार हुसैन के प्रतिभावान शिष्यो मैत्रेयी, माधवेति, मिश्का , गौरवी, राग, लक्ष्यता, पंकज , नीतीश, सुजान, भगीरथ, अभिषेक, सुभान, राहुल, अनवी, स्नेहा, श्रेया, प्रियांश, अरचीत, अगस्त्य, आरुष, ने राग मिया मल्हार , राग देस, यमन, भीमपलासी, व प्रचलित धुने एक प्यार का नगमा है, उठे सब के कदम, वन्दे मातरम् जैसे गीत सुरीले अंदाज मे बजाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि चित्रा बंसल व कमांडेट प्रवीण कुमार सिंह ने कला जगत की हस्तियों जिनमें गायन मैं गुरू सीमा सक्सेना, वरिष्ठ रंगकर्मी , राजेन्द्र शर्मा राजू, वरिष्ठ तबला गुरू वसुधा सक्सेना, नेटथिएट के निदेशक रंगकर्मी अनिल मारवाडी, व मनोज स्वामी को राजस्थान गुरूश्री उपाधियों से सम्मानित किया व सभी उभरते युवा कलाकारों को राईसिंग स्टार पुरस्कार से नवाजा।

त्रि-दिवसीय महोत्सव के अन्तिम दिन मूलनायक के हुये अभिषेक तथा वार्षिक शान्तिधारा व पूजन

गाजे-बाजे व जयकारों के साथ निकली भव्य शोभा यात्रा व हुआ वार्षिक ध्वजा रोहण। दिगम्बर साधु नहीं रहेंगे तो दिगम्बर धर्म कहां से रह पायेगा: आर्यिका विशेष मति माताजी

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी - ज्योतिनगर जैन मंदिर के त्रि- दिवसीय वार्षिक उत्सव के अन्तिम दिन मूल नायक नेमिनाथ के अभिषेक व वार्षिक शांतिधारा , ध्वजा रोहण शोभा यात्रा , पूजन सहित कई धार्मिक कार्यक्रम आर्यिका विशेष मति माताजी के सानिध्य में अति उत्साह व भक्ति के साथ हुए। प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया की तीन वेदियों पर प्रथम अभिषेक अरविंद बेला साखूनिया , महावीर पाटनी व चंद्र प्रभा शाह परिवार ने किए। विश्व शांति के लिए बीजाक्षर युक्त वृहत वार्षिक शांतिधारा का सोभाग्य शिखर चंद किरण जैन परिवार को मिला वही ध्वजा रोहण व झण्डा रोहण का सोभाग्य केसर देवी नवीन राकेश मित्रपुरा वालों को मिला। इसके पूर्व सुहाने मौसम में इंद्रदेवता द्वारा किए जा रहे स्वागत के मध्य गाजे बाजे के साथ घोड़ी पर जैन ध्वज के पीछे पुरुष व महिलाओं की लम्बी लाइन के साथ धर्म प्रभावना करते हुए आदिनाथ चैत्यालय ज्योतिनगर से नेमि नाथ की शोभा यात्रा जनकपुरी मन्दिर जी पहुँची जहाँ मन्दिर द्वार पर भक्ति में नाचते गाते महिलाओं ने जुलूस का स्वागत किया। सभी ने मन्दिर जी में भक्ति में सरोबार होकर नेमिनाथ की अष्ट द्रव्य के साथ पूजन की। पूजन में कमल बाबू जैन, मनीष बैद, अनिल जैन आईपीएस, भागचंद मित्रपुरा, सुनील बज, सुनील पहाड़िया, पंकज लुहाड़िया, कैलाश छाबड़ा, राजा बाबू गोधा, हर्षित जैन, मुकेश पण्ड्या, सुरेश बज, जितेंद्र जैन, एन के सेठी कमल जैन आदि ने सहभागिता की तथा आर्यिका को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा 44 वें स्थापना दिवस पर 44 दीपक से समाज के साथ नेमिनाथ की आरती की। धर्म चंद पहाड़िया, नरेंद्र जैन निखार वाले, ओम प्रकाश काला मामाजी, मुकेश जैन, राकेश गोदिका, समता गोदिका, राजेंद्र बिलाला, नरेंद्र जैन, निर्मल सांघी, बी वी जैन सहित आसपास के मंदिरो व कस्बों से श्रावकों की कार्यक्रमों में बराबर उपस्थिति रही। पदम जैन बिलाला के अनुसार गणिनी आर्यिका विशुद्ध मति माताजी की चातुर्मास रत शिष्या विशेष मति माताजी ने अपने प्रवचन में कहा की भगवान महावीर ने जिओ और जीने दो का उपदेश दिया जिसका अर्थ है स्वयं भी जिओ और दूसरे को भी जीने दो। अहिंसा का अर्थ कायरता नहीं होता है ।माताजी ने आगे कहा की हमारे साधु दिगम्बर है इसलिए ही हम दिगंबर जैन कहलाये । दिगम्बर सन्त नहीं रहेंगे तो दिगंबर धर्म कहाँ से रह पाएगा। धर्म की रक्षा के लिए माताजी ने आह्वान किया की अब समय आ गया है, जागो जैन जागो, समाज को धर्म व सन्त की रक्षा के लिए जागना ही होगा। कार्यक्रम में प्रबंध समिति महिला मण्डल युवा मंच व पाठशाला के संयोजकों का बराबर सहयोग रहा।

पीड़ित मानवता की सेवा में स्थापित होगा गुरू वेणी यश सिद्ध चिकित्सा उपकरण बैंक

वेणी सिद्ध सेवा संस्थान ने की अनुकरणीय पहल

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। वॉकर से लेकर व्हील चेयर एवं बीपी मशीन से लेकर वुडन स्टिक जैसे चिकित्सा उपकरणों के लिए इधर-उधर भटकने या महंगे दामों पर बाजार से खरीदने के लिए मजबूर लोगों के लिए अच्छी खबर है। ऐसे चिकित्सकीय उपकरण निःशुल्क उपलब्ध कराने के लिए सांगानेर रोड पर सोना रिसोर्ट के पास स्थित श्री वेणी सिद्ध सेवा संस्थान ने गुरू वेणी यश सिद्ध चिकित्सा उपकरण बैंक स्थापना की पहल की है। संस्थान द्वारा 16 जुलाई को पूज्य सिद्धकंवरजी म.सा., विनयप्रभाजी म.सा. एवं दिव्यप्रभाजी म.सा. के पुण्य स्मृति दिवस पर संस्थान परिसर में उनकी समाधि पर नवकार महामंत्र जाप के बाद हुई बैठक में ये फैसला लिया गया। इसके माध्यम से जरूरतमंद व्यक्ति स्वयं या परिजन के लिए अमानत राशि जमा करा चिकित्सकीय उपकरण निःशुल्क प्राप्त कर सकेगा। उपकरण लौटाने पर अमानत राशि पुनः मिल जाएगी। इस जाप के आयोजक यश सिद्ध स्वाध्याय भवन के मंत्री स्वाध्यायी सुश्रावक मुकेश डांगी ने बताया कि वर्ष 2008 में 16 अप्रेल को गुजरात में दुर्घटना में देवलोकगमन हुई तीनों दिवंगत महासाध्वियों की स्मृति में हर माह की 16 तारीख को संस्थान परिसर में समाधि पर नवकार मंत्र जाप होता है। जाप के बाद हुई बैठक में पूज्य गुरू भगवंतों के आशीर्वाद व सुश्रावक भूपेन्द्र पगारिया, सोहनलाल बम्ब, कैलाशचन्द्र बड़ोला, रतनलाल बम्ब, कन्हैयालाल चौधरी, भंवरलाल चौरड़िया आदि की प्रेरणा व सहयोग से गुरू वेणी यश सिद्ध चिकित्सा उपकरण बैंक खोलने का प्रस्ताव पारित किया गया। इस चिकित्सा उपकरण बैंक के माध्यम से जरूरतमंद को वॉकर, बीपी मशीन, एयर बैड, लोहे का पलंग, व्हील चेयर, शौच की कुर्सी, थर्मामीटर, नेब्युलाइजर मशीन, थर्मामीटर, ऑक्सीजन कंसट्रेटर मशीन, यूरीन पोर्ट, सेनिटाइजर मशीन, स्प्रे मशीन आदि चिकित्सकीय उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। डांगी ने बताया कि वेणी सिद्ध सेवा संस्थान व यश सिद्ध स्वाध्याय भवन के माध्यम मानव सेवा, साधर्मी की सहायता व जीवदया के कई कार्य किए जा रहे है। नवकार मंत्र जाप में जैन संस्कार मंच एवं जैन युवा मंच भीलवाड़ा के सदस्यों के साथ शांतिलाल बनवट, रामसिंह चौधरी, शांतिभवन श्रीसंघ के मंत्री राजेन्द्र सुराणा, सुशील चपलोत, गौतमजी लुक्कड़, प्रमोद सिंघवी, सुरेन्द्र रूंगलेचा,मानसिंह बम्ब, ज्ञानेन्द्रसिंह चौधरी, हिम्मत सिंह, अभयसिंह बाफना, राजेश नाहर, मनोहरसिंह नानेचा, कैलाश नंदावत, ललित हिरण, दलपत नानेचा, राकेश बंब,अमरसिंह डूंगरवाल, लादूसिंह धूपिया, वीरेन्द्रसिंह मारू, रतनलाल खारीवाल, पीयूष खमेसरा, धर्मचंद बाफना, मनीष बम्ब, मनोज मेहता, अंकुश डांगी, ऋषभ खारीवाल,दिलीप आंचलिया, गौतम पानगड़िया, सतेन्द्र धूपिया, गौरव सुराणा, आशीष सेठी, धर्मचंद नंदावत, सुशील चौधरी, नाहरसिंह गांग, गिरीश ओस्तवाल, वैभव बोहरा, प्रेमचंद बम्ब, रोशनलाल बम्ब, हिम्मतसिंह खारीवाल, भंवरलाल सोनी, माणक पीपाड़ा, संदीप हिंगड़, महिला मण्डल से लाड़जी मेहता, रेखा नानेचा, सुनीता डांगी, सुनीता बम्ब, लाड़देवी बम्ब सहित कई श्रावक-श्राविकाएं ओर भी मौजूद थे। मानव सेवा के लिए गुरू वेणी यश सिद्ध चिकित्सा उपकरण बैंक स्थापित करने का प्रस्ताव रखते ही सहयोग करने के लिए भामाशाहों ने हाथ खोल दिए। मात्र दस मिनट में ही एक लाख रूपए से अधिक की राशि एकत्रित हो गई। कई सदस्यों ने आगे भी जरूरत होने पर सहयोग के लिए तत्पर रहने का भरोसा दिलाया।

श्रीमद भागवत कथा के दूसरे दिन सुनाया श्री शुकदेव जी महाराज व राजा परीक्षित का प्रसंग

चंद्रेश कुमार जैन.शाबाश इंडिया

श्रीमहावीरजी ।कस्बे के मोदी कॉलोनी स्थित शिवालय मन्दिर पर चल रही श्री मद् भागवत कथा के दूसरे दिन वृंदावन धाम के प० अनंत शरण जी महाराज ने अपने मुखारविंद से श्री शुकदेव जी जन्म श्री शुकदेव जी महाराज का राजा परिक्षत को उपदेश देना, कुंती भीष्म स्तुति सहित राजा परीक्षित व कली संवाद का वृतांत विस्तार से सुनाया व कहा कि मानव को एक क्षण भी भगवान के भजन के बिना नही रहना चाहिये चिन्ता त्याग कर चिन्तन बढाना चाहिए , गुरू के बिना जीवन अधूरा होता है व कथा श्रवण से मन व आत्मा को शांति मिलने के साथ ही भगवान की प्राप्ति होती है। बीच-बीच में कथावाचक द्वारा गाए गए भजनों पर महिलाओं ने नृत्य किया। इस दौरान श्री सुखदेव जी महाराज वह राजा परीक्षित की सजीव झांकी सजाई गई। कथा के अंत में हरियाली अमावस्या के अवसर पर बाबा भोलेनाथ का शिवालय में सहस्त्र घट अभिषेक किया गया। इस अवसर पर हजारों की तादाद में महिला पुरुष उपस्थित रहे। इस मौके पर आयोजन समिति के श्री लाडली जी संगम के कार्यकर्ता बंटू गोयल तरुण कुमार अंकुर बेनीवाल प्रवीण सैनी निखिल गुप्ता संजय शर्मा पवन सैनी राजाराम गोदारा विशाल स्वामी प्रभु उस्ताद पूरणमल शर्मा दीपक गुप्ता आदि ने बताया कि कथा सुनने कस्बा सहित आसपास के गांव के हजारो ग्रामीण आ रहे हैं।

पदाधिकारियों ने दिया जैन मिलन की क्षेत्रीय शाखाओं को प्रशिक्षण

थूवोन में हुई जैन मिलन की क्षेत्र 12 की क्षेत्रीय कार्यकारणी की बैठक एवं कार्यशाला

अशोकनगर. शाबाश इंडिया। भारतीय जैन मिलन क्षेत्र 12 की प्रथम क्षेत्रीय कार्यकारणी की बैठक व कार्यशाला का आयोजन रविवार को अतिशय क्षेत्र थूवोन में आयोजित की गई। कार्यशाला में राष्ट्रीय व क्षेत्रीय पदाधिकारियों ने जैन मिलन की विभिन्न शाखाओं के पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय जैन गुना ने बताया कि हम सब समाज सेवा की संस्थाओं के कोई न कोई पद पर हैं। दूर दूर तक वो जाता है जो सबको साथ लेकर चलता है। जैन धर्म की जितनी भी शाखाएं हैं सबको साथ लेकर चलना है। हम बहुत सारे फिरकों में बंटे हुये हैं। उसका परिणाम राजनैतिक क्षेत्र में पिछड़ गये हैं। यह स्थिति संगठन के अभाव के कारण बनी है। उन्होंने कहा कि जैन मिलन विभिन्न क्षेत्रों को जोडकर 19 क्षेत्रों में बंटा है। उन्होंने बताया कि आज की सभा का उद्देश्य है सबके अंदर कार्य करने की क्षमता को उजागर करें और काम में लगायें। युवा सम्मेलन का आयोजन करें और समाज सेवा के कार्यों को आगे बढ़ायें। विशेष अतिथि राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय कुमार जैन पत्रकार राघौगढ़ ने भारतीय जैन मिलन की लोकप्रिय योजना जैन हेल्प डेस्क की विस्तार से जानकारी दी।

जिंदगी में एक धार्मिक कार्यक्रम का उत्सव जरूर मनानाः निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

आगरा. शाबाश इंडिया

दुनिया में तुम एक वस्तु घटा नहीं सकते, एक वस्तु बड़ा नहीं सकते। प्रकृति ने नियम लिया है कोई भी व्यक्ति किसी भी वस्तु को मिटा नही सकता,उत्पन्न भी नही कर सकता,दुनिया की गति को रोक भी नहीं सकता। माटी, पत्थर, आग तुमने नही बनाये हैं, प्रकृति ने इनको स्वतः बनाया है। अब इनको ऑक्सीजन बनाना तुम्हारा काम है प्रकृति का नही। इनसे लाभ लेना तुम्हारा काम है। तुम्हे सावधानी रखनी है कि फेफड़े ठीक रखोगे,तो हवाएं ऑक्सीजन बन जाएगी। जल बरसता है बरसता रहेगा,लेकिन जल का उपयोग हम कर ले तो यही जल जीवनदायिनी बन जायेगा,और थोड़ी सी कला और आ जाये तो भगवान का गंधोदक भी बना सकते है। प्रकृति सदा से थी,सदा रहेगी,चाहो तो पाप कर लो और चाहो तो तुम जिनेंद्रदेव का मन्दिर बना लो। जन्म और मरण के बीच मे जिंदगी जीने के लिए शास्त्र रखे गए। नीतियां बनाई गई कि जन्म तो लेना है तुम्हे फैसला करो,गुरु से पूछो कहा जन्म लेना है,मुझे आर्यखण्ड में जन्म लेना है,उच्च कुल में जन्म लेना है,जैन कुल में जन्म लेना है।ये तुम्हारे हाथ मे है, प्रकृति के हाथ मे नही।मरना भी निश्चित है कहा मरना है,सम्मेद शिखर में मरना है,सम्मेदशिखर के रास्ते मे मरना है,महाराज के प्रवचन सुनते मरना है,प्रभु का अभिषेक करते समय मरना है,माला फेरते समय मरना है या बारात में मरना है,शराब पीते मरना है वो पसंद अपन सबकी है। जैन कुल में जन्म लेना बता रहा है कि आप अतीत के बहुत अच्छे आदमी है,इससे बड़ा कुछ हो नही सकता। जिस कुल में भगवान के अभिषेक की रोक टोक न हो,मुनिराज के आहार देने की रोक टोक न हो,मुनि बनने की रोक टोक न हो इससे बड़ा कुल दुनिया मे और कौन सा हो सकता है। जैनदर्शन में हजार पाबंदियां है

लेकिन पूर्व भव में तुमने ऐसा पुण्य किया कि तुम्हारे ऊपर एक भी पाबंदी नही है। जन्म हुआ है,जैनी का नही,शुद्र का जन्म हुआ है।माँ-बाप जैन है लेकिन व्यक्ति जैन नही है। उसको धार्मिक अनुष्ठान की मनाही कर दी तो प्रश्न उठता है कि हम जैनी शुद्र की सेवा क्यों करे तब पूज्यवर उमा स्वामी जी मुनिराज ने मनोज्ञ की सेवा कहा कि जो अभी नही है लेकिन होनहार है तो उसकी भी सेवा करके योग्य बना दो,यह भी सेवा है। पूज्यवर जिनसेन स्वामी के अनुसार शुद्र की परिभाषा जब चाहे,जो चाहे,जहाँ चाहे,जैसा चाहे मैं सबकुछ करूँ ये भाव जबतक आता है उसको शुद्र कहते है जैसे बालक क्योंकि उसको ये ही नही पता कि मुझे क्या खाना चाहिए। गन्दगी खाने के योग्य है या नही उसे नही पता,उसे शुद्र कहते है लेकिन 8 वर्ष के पूर्ण होते ही मेरे माता-पिता,मेरे गुरु जो सोचेंगे वह होना चाहिए और वही मुझे होना चाहिए। 7 वर्ष तक मैं जो खाना चाहूँ वह खाऊंगा, लेकिन 8 वर्ष पूर्ण होते है मेरे माता-पिता मुझे जो खिलाना चाहे वह मैं खाऊंगा।कहा जाना चाहिए अपने माता-पिता से पूछता हूँ,कब खाना चाहिए,मम्मी पापा से पूछता हूँ बस यही से जैन बनने की भूमिका यही से प्रारंभ होती है। अगर तुम 7 वर्ष तक अपने बच्चों को इतना संस्कारित कर सको कि मैं तुमसे बिना पूछे किसी से लेकर कुछ खाये पीए भी न तब समझना तुम सच्चे माता-पिता हो और वो बच्चा कभी तुम्हारे कुल में कलंक नही लगाएगा। 7 वर्ष तक हर माता-पिता को वो वो चीजे नही खाना व करना चाहिए जो जो वे अपने बच्चों में नही चाहते।सावधान माता-पिता बनना कोई गुड्डे गुड़ियों का खेल नही है।। पहला जन्म शूद्रों का जन्म,दूसरा द्विज जन्म। जैनी व्यक्ति का दो बार जन्म होता है एक बार माता पिता से और दूसरी बार जिनवाणी माता से। द्विज का अर्थ लेना दो बार जन्म। हम साधु लोग सब क्षत्रिय है क्योंकि दीक्षा के समय हम ऊपर क्षत्रिय के संस्कार होते है,हमारी कुंडली दीक्षा की चलेगी। जो व्यक्ति जिसकी खुशी मनाएगा वो उसकी जिंदगी में मुबारक होगा।जन्म की खुशी मना रहे हो जाओ कभी संसार मे जन्म लेने की परंपरा से मुक्त नही होगे।शादी की खुशी मनाते हो आज तक पुराणों में किसी राजा-महाराजा ने शादी की साल गिरह नही मनाई। आज कल दोबारा शादी करते है याद रखना दुबारा विवाह करना विधवा का प्रतीक है। जिंदगी में एक धार्मिक कार्यक्रम का उत्सव जरूर मनाना।तुमने जिंदगी में पहली बार जब जिनेंद्र भगवान का दर्शन किया था उस दिन प्रतिवर्ष टेम्पल डे (मंदिर दिवस) मनाना।

संकलन-शुभम जैन 'पृथ्वीपुर'

उपादान और निमित्त ही धर्म की रीढ़ की हड्डी हैः आचार्य विहर्ष सागर जी महाराज

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर ! उपादान को निमित्त चाहिए। उपादान याने आपकी स्वयं की इच्छा शक्ति और निमित्त याने बाहर की शक्ति। उपादान और निमित्त ही धर्म की रीढ़ की हड्डी है। चातुर्मास में संत तुम्हारे उपादान को चोट करते हैं गुरु देव कहते हैं कि हे पगले कहां दुनिया में फंसा है ? सभी के पास आत्मा भी है और उपादान भी है। व्यक्ति में कलेक्टर, डाक्टर एसपी वकील बनने की शक्ति है । और भगवान बनने की शक्ति भी है। अपनी क्षमता का आकलन कर पहचानों , उसी का नाम धर्म है। मुख्य लक्ष्य है, आत्मा को परमात्मा बनाना। परिवार जन को कभी भी अपना मत मानो। आचार्य श्री कहते हैं यदि मैं प्रोफेसर सब इंजीनियर या कोई बड़ा अधिकारी बनता तो मुझे शहर के कुछ चुनिंदा लोग; ही पहचानते मैं आचार्य बन गया तो पूरा देश मुझे पहचान ता है और यदि में भगवान बन गया तो तीन लोक में सभी मुझे पहचानेंगे। श्रावकों आपको भी मनुष्य पर्याय मिली है, इस पर्याय में ऐसा कुछ काम कर लो कि फिर इस पर्याय में वापस ना आना पड़े।

चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन, डॉक्टरों के सेवा कार्य को समर्पित किया

महावीर इन्टरनेशल रॉयल द्वारा डॉक्टरों के सेवा कार्य समर्पण पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। शहर की सेवा कार्यों में अग्रणी संस्था महावीर इंटनेशनल रॉयल द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सहसचिव योगेंद्र मेहता ने बताया कि महावीर इन्टरनेशल अपेक्स द्वारा दिये गए निर्देश अनुसार रॉयल ब्यावर द्वारा डॉक्टर एवं नर्सेज द्वारा जन समुदाय के प्रति किये जाने वाली सेवाओं एवं कार्यों तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य जागरूकता से सम्बंधित विषय पर तीन आयु वर्ग में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जितेंद्र धारीवाल एवं पुष्पेन्द्र चौधरी ने बताया कि दो दिवसीय केक प्रक्षिक्षण कक्षा का भी आयोजन किया गया था। रोहित मुथा और मुकेश लोढ़ा ने बताया कि डॉक्टर कांता जैन, इंदु व्यास एवं रक्षा शर्मा द्वारा प्रतियोगिता मे विजेता का चयन किया गया। पूजा पीपाड़ा द्वारा दो दिवसीय केक क्लासेज का संचालन किया गया। पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के मुख्य

अतिथि गवर्निंग काउंसिल सदस्य धनपत श्रीश्रीमाल, अतिथि कमलेश बंट थे। मंजू बाफना एवं नीता दक ने बताया कि 25 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में हर्षा भोजवानी प्रथम, रचना बुरड़ द्वितीय, रश्मि छाजेड़ तृतीय स्थान पर, 13 से 25 आयु वर्ग में जश्वी बाफना प्रथम, कशवी मोदी द्वितीय, भक्ति बैरवा तृतीय, एवं 4 से 12 आयु वर्ग में रैना गुप्ता प्रथम, अभिज्ञा सुराणा द्वितीय, मोहित खत्री ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

जैन सोश्यल ग्रुप राजधानी जयपुर का गेट टू गेदर कार्यक्रम संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोश्यल ग्रुप राजधानी जयपुर द्वारा रविवार दिनांक16 जुलाई को जयसिंह पुरा, भांकरोटा स्थित फन फेयर वाटर पार्क में ''आया सावन झूम के'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रुप के सदस्यों ने पूल पार्टी व मौसम का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम में सदस्यों ने मनोरंजक खेल व आकर्षक हाउजी के साथ तेज वर्षा का भी आनंद लिया। ग्रुप के सचिव पवन रीता पाटनी ने अवगत कराया कि आयोजन स्थल पर 3:00 बजे तक पधारे हुए सदस्यों का लकी ड्रॉ से नाम निकाल कर दो सदस्यों को पारितोषिक किया तथा ग्रुप में जुड़े नये दंमत्ति सदस्यों का ग्रुप के अध्यक्ष प्रकाश लीला अजमेरा ने तिलक लगाकर व माल्यार्पण कर स्वागत किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में ग्रुप के कोषाध्यक्ष अशोक सुमन बिलाला, समन्वयक राजेंद्र जयश्री पाटनी, संयोजक मनोज मनीषा सोगानी तथा सह संयोजक कमल सुनीता लुहाडिया व सभी कार्यकारिणी सदस्यों तथा सदस्यों ने अपना भरपूर योगदान दिया। कार्यक्रम में लक्की ड्रा, हाउजी वह अन्य खेलों में वितरित गिफ्ट राजधानी ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष सुनील आरती पहाड़िया एवं परिवार की ओर से दिए गए। अन्त में सचिव पवन -रीता पाटनी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी के योगदान के लिए धन्यवाद व आभार ज्ञापित किया।

हरियाली अमावस्या पर स्कूल परिसर में किया गया पौधारोपण

अर्पित जैन. शाबाश इंडिया

भैंसलाना, दूदू। कस्बे के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में सोमवार को पोधारोपण किया गया। स्कूल प्राचार्य भगवान सहाय नागा ने बताया कि स्कूल में सोमवार को हरियाली अमावस्या के अवसर पर करीब 80 पेड़ पौधे स्कूल परिसर में लगाए गए।इस दौरान सरपंच प्रतिनिधि अनंत ऐचरा, प्रभारी प्रकाश चंद्र शर्मा, कैलाश मीणा, हरि प्रकाश विद्यार्थी, रामगोपाल वर्मा, ललित कुमावत, हनुमान लुहाच,दीपेंद्र सिंह, गौरीशंकर सामरिया,श्रीराम वर्मा, हिरेंद्र डोगीवाल दयाराम जाट, रामदेव जाट , राम गोपाल वर्मा, सोहन दास स्वामी, बनवारी आलोरिया,अशोक सोनगरा सहित अन्य मौजूद रहे।

आर्यिका विमोहिताश्री माताजी का हुआ सल्लेखना समाधि महोत्सव

अंतिम दर्शन के लिए उमड़ा जनसैलाब

राजेश रागी/ रत्नेश जैन. शाबाश इंडिया

श्रेयांसगिरि (पन्ना)। सलेहा के समीपस्थ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्रेयांसगिरि मे वर्ष 2023 का वषायोग कर रहे परम पूज्य भारत गौरव, राष्ट्रसंत, गणाचार्य श्री 108 विराग सागर जी महामुनिराज के सानिध्य मे श्रमणी आर्यिका विमोहिता श्री माताजी की सल्लेखना समाधि 17 जुलाई दोपहर 1:08 बजे पूज्य गुरुदेव के श्री मुख से णमोकार महामंत्र सुनते हुए निर्विघ्न संपन्न हुई। भरत सेठ ने बताया कि दोपहर 2:00 बजे गाजे बाजे के साथ अंतिम संस्कार हेतु ढोला निकाला गया, जिसमें संपूर्ण श्रेयांसगिरि अंचल सहित जैन, जैनेत्तर समाज ने शामिल होकर पुण्यार्जन किया। जैन धर्म की अनूठी क्रिया सल्लेखना समाधि में माताजी की देह का अंतिम संस्कार चंदन की लकड़ी घी, कपूर एवं हजारों श्रीफल से किया गया। ब्रह्मचारिणी क्रांति जैन निवासी सागर ने पूज्य गुरुदेव से 2002 में 2 प्रतिमा तथा 2023 में सात प्रतिमा के व्रत ग्रहण किए, ढाई माह पूर्व गम्भीर बीमारी से ग्रसित होने पर आपने स्वयं भावना व्यक्त की थी कि मुझे गणाचार्य श्री के पास समाधि के लिए ले चलो। उनकी भावना अनुसार 9 जुलाई को परिवारजन उन्हें पूज्य गणाचार्य श्री के पास लाए तथा उनकी स्थिति गंभीर देख गुरुदेव ने उन्हें 10 जुलाई को छुल्लिका दीक्षा, 14 जुलाई को आर्यिका दीक्षा एवं चारों प्रकार के आहार का त्याग कराया 17 जुलाई को दोपहर 1:08 बजे सहस्त्रों श्रद्धालुओं के मध्य गुरुमुख से णमोकार महामंत्र श्रमण करते हुए क्षमता के साथ माताजी ने नश्वर देह का विसर्जन कर स्वर्ग की ओर प्रयाण किया। इस पावन अवसर पर गुरुवर ने कहा की माताजी का परम पुण्य था जो उन्हें समाधि मरण करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ इसलिए विमोहिता श्री भी बीरो से कम न थी जिन्होंने मरण को समाधि मरण बनाकर जन जन के लिए ऐसा ही वीर मरण करने की मौन प्रेरणा प्रदान की।